

... वासनां जातु नमः ...
... यासन उक्त ...
... सार ...
... मर्दन ...
... पा मने नत्र ...
... अग्न्या स ...
... ज्ञायत ...

एवक्रा नमः ॥ १ ॥ वं चामरे गायुतुत रवक्रा नमः ॥ २ ॥ लं सद्योज
तायपुत्रमवक्राय नमः ॥ ३ ॥ इशानाय पुर्वा इवक्राय नमः ॥ ४ ॥
॥ ५ ॥ न्यासः ॥ ॥ जने आवाहनं गंगादि न ताहा प्रमलखन तने ॥ ६ ॥ गंडा
गायनमः ॥ ७ ॥ जमुनाये नमः ॥ ८ ॥ कावेर्ये नमः ॥ ९ ॥ कोशिके न
मः ॥ १० ॥ गण्डुके नमः ॥ ११ ॥ नर्मदाये नमः ॥ १२ ॥ सप्तमागरे नमः
मः ॥ १३ ॥ संपूर्णवत्सम प्रतेभ्यो नमः ॥ १४ ॥ येन मुद्रा दृश्यते ॥ १५ ॥ प
हा ॥ १६ ॥ इति नमः गृहान्ताहा ॥ १७ ॥ ध्वजशिरसं नमः ॥ १८ ॥

धनमः ॥ १९ ॥ शिरसावाहा ॥ २० ॥ शिरसावाहा ॥ २१ ॥ कवचाय ॥ २२ ॥ नेत्रे
यापय ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

नमो नमो अदितस्य शिरस्य च ॥ इति मंत्रा द्वा य ॥ पुनः प्रोक्तं
नारस्य ॥ ऊथु ध्यां न्या मया य ॥ नखन तर्पण या य मनुः ॥ सर्वभ्यो देवेभ्यो
स्वाहा ॥ सर्वभ्यो मंत्रेभ्यो स्वाहा ॥ सर्वभ्यो ऋषिभ्यो स्वाहा ॥ सर्वभ्यो भूतो
भ्यो वोषट् ॥ सर्वभ्यो मनुष्येभ्यो वषट् ॥ सर्वभ्यो पितृभ्यो स्वाहा ॥ सर्वभ्यो
सर्वभ्यो यतर्पयामि नमः ॥ सर्वभ्यो प्रकाशस्य सहिताय तर्पयामि नमः ॥ सर्वभ्यो
हंखरखरकाय सूर्यमूर्ते नमः ॥ सर्वभ्यो नमो नारायणाय विश्वात्मने ॥ सर्वभ्यो
नमो नमः ॥ सर्वभ्यो नमो नारायणाय सहिताय तर्पयामि नमः ॥ सर्वभ्यो
अथोक्तं ध्यायते ॥ सर्वभ्यो नमः सर्वभ्यो नमः सर्वभ्यो नमः ॥ सर्वभ्यो नमः ॥

म व द्वा य न मः ॥ इ शाना य उ र्व का य न मः ॥ ५ ॥

वृ षा स ना य न मः ॥ ६ ॥ ने त्र भ द्वा रि का य न मः ॥ ७ ॥ अ मृ ते ज्ञ

म हा ने र वा य स द शि वा य न मः ॥ त्रि धा र ॥ इ दं ने वे द न मः ॥ ८ ॥ अ मृ ते

ज ण्मी श क्रि स हि ता य न मः ॥ इ दं ने वे द न मः ॥ ९ ॥ अ मृ ते ज्ञ

नी मृ ष्य रा य धी म हे त नो ने त्र प रो द या त् ॥ इ दं ने वे द न मः ॥ १० ॥ अ वा ह न र वा प

न वं द ना स त पु ष्यं न मः ॥ ११ ॥ स्वा हा ॥ धा १० ॥ इ दं ज पं गृ हा ण

स्वा हा ॥ इ ति मृ त्वा य न मः ॥ १२ ॥ मं ड ल वा य के वो त ये वो १ ॥ स्तो त्र ॥ ३ ॥

न मः ॥ श्री ग न्ध र्वा य न मः ॥ १३ ॥ इ ति मृ त्वा य न मः ॥ १४ ॥

न तं नो मि त्वा सूर्य ना म्क र मि त्वा दि ॥ न मः न मः न मः न मः न मः ॥

मे रु कां व ग त्वा नां ग व नो दि श नै र वि षं व को दि श नै र गा नां तै र्वा नां

द शी नं ॥ शि वं शि वं क र मि त्वा दि ॥ शु द्ध शा नं शि व प सा द प र मः स र्व ज श क्तः

अ र सा न नं सुर ना य क स्य भ ग वा न स पू र्ण का म प्र दं ॥ वा गी शो व र द स्तु वा

शु व प्र द वा मा दि व के अ र वा धी सो क वि ना य स्य भ य हा मृ त्वा न मः ॥

वा पो ह मि त्वा दि ॥ न मः श्री सूर्य या दे वा य न मो ना य रा णा य अ धो

र मृ त्वा य न मः ॥ अ ने त्र श र

नां नां किं न मे व श र नं न मः ॥ त स्मा का रं न मे व श र नं नां प र मे श्व र ॥ न मः

॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥

[illegible][illegible]

नि को ये सम रा दे धार्ये । श्री आनन्द शक्ति भैरवा नन्द श्री महा विद्या रत्न
मरी सुग्री श्री नारायण गुरु सरह तनु । भवार्थि को ये सम रा दे धार्ये ३ ॥ वलि प ॥
श्री श्री वि कंठ प्रभा । दृषा सनाय ३ । सिंहासनाय ३ । श्री आनन्द श
कि भैरवा नन्द वीराधिप प्रभु । श्री काठ नाथ स्व शाक्ति क हिये ३ ॥ वलि ॥
अष्टादश दिग्जा । हे । सासनाय फ बुद्धी । दृषा सनाय ३ । मया सनाय ३
मनुडा सनाय पाहुका । सहिष्ठा सनाय ३ । जगन्नाथ ३ । ऐता सनाय ३ । सिंहासना
य ३ । बुध्माणी असिता भैरवा यपाहुका । माहे श्री तुम्हारे वाय ३
कौ मा ती चण्ड भैरवाये ३ । वेल्म बाजी भैरवाये ३ । तेंवाराही

[illegible]

बहुभयनमः ॥ सनमो नारायणाय पुनिरसेवा ॥ सनमो नारायणाय
 शिवाय नमः ॥ सनमो नारायणाय केवा ॥ सनमो नारायणाय
 नेत्राय नमः ॥ सनमो नारायणाय अत्राय नमः ॥ ॥ म
 उडासनाय नमः ॥ सनमो नारायणाय विश्वात्मने नमः ॥ त्रिधा ३
 इदं नमः ॥ सनमो नारायणाय शक्तिमहिताय नमः ॥ इदं नमः ॥
 नमः ॥ विश्वरूपाय विद्महे नमो नारायणाय धीमहि तन्नो अस्तु ॥
 या नमः ॥ इदं नमः ॥ आवाहनं ॥ यन्न रन्तु सन्तु ॥ नमः ॥ जाय ॥
 ॥ अथोत्तरा ॥ न्यास

नमोऽस्तु त्रये कः महापाशुपतास्त्राय फट् ॥
 कतिह कायनमः ॥ ॐ कां ध्योरे ॥ अनामि कायस्वाहा ॥ ॐ कां ध्योरे न
 रे सध्यामायवौषट् ॥ ॐ कां सर्वतंसर्वसर्वे केतजीत्याय हं ॥ ॐ कां सः
 ज्योतिस्वरूपात्मने अगुष्ट कायवषट् ॥ ॐ कां नमोऽस्तु त्रये कः महापा
 तास्त्राय फट् ॥ ॥ ॐ कां अघोरे कां सर्वसाताय हृदयाय नमः ॥ ॐ कां ध्यो
 रे कीं प्लुशिर सत्याहा ॥ ॐ कां ध्योरे घोर घोर तरे हं ज्वलिनी शिखावौषट् ॥ ॐ कां
 सधनसर्वसर्व केतजीत्याय हं ॥ ॐ कां ॐ नमः ॥ ज्योतिस्वरूपात्मने नैव न
 यायवषट् ॥ नमोऽस्तु त्रये कः महापाशुपतास्त्राय फट् ॥ इति अ
 रविमन्त्रः कवचा

हृदयानमः॥ अक्षयसिन्धुसमस्तः॥ सुविजयानिनीशिकाय
नमः॥ कवचाय नमः॥ श्रीनेत्रशायनसुहृ॥ अक्षयप्रद॥ श्रीवीर
नस्यापेनचन्द्रनाक्षतपुष्पानमः॥ धेनुमुद्रादर्शयेत्॥ धर्मकेलेश्वर
नमः॥ ॐ श्री आत्मनेसिन्धुसमस्तः॥ ॐ श्री आत्मनेचन्द्रनमः॥ ॐ श्री
आत्मशिरसिपुष्पानमः॥ आत्मास्नायनः॥ आत्ममूर्तये नमः॥ अथः
सूर्यपूजा॥ अश्वात्माय नमः॥ ॐ श्री सः सूर्याय नमः॥ त्रिधा॥ इदं
नेत्रेभ्यः नमः॥ ॐ श्री यकाशशक्तिमहिताय नमः॥ इदं नेत्रेभ्यः नमः॥ हं श्री

उत्तमपुत्रकोटानमः॥ ठ कर्माणां वाग्देवतामहाप्रदं
महाप्रदं॥ श्रीपादुकां पूजयामि॥ त्रिधा॥ वलि॥ श्री
महाप्रदं॥ ॐ श्री इन्द्रकात्मास्नायपुष्पानमः॥ अथः
वशिवास्नाय अम्बापाद॥ ॐ श्री महाप्रदं वास्नाय अ
म्बापाद॥ ॐ श्री महाप्रदं वास्नाय अम्बापाद॥ ॐ श्री सहदलपमा
य अम्बापाद॥ ॥ त्रिधा॥ अथः॥ ॐ श्री सिद्धिकरात्रि कीं श्रीं श्रीं नमः॥
श्रीगुरुकां देवाय अम्बापादुकां पूजयामि॥ त्रिधा॥ वलिः॥ ॐ श्री
वैद्यनाथः॥ श्रीगुरुकां देवाय अम्बापादुकां पूजयामि॥ त्रिधा॥ वलिः॥ ॐ श्री
वैद्यनाथः॥ श्रीगुरुकां देवाय अम्बापादुकां पूजयामि॥ त्रिधा॥ वलिः॥ ॐ श्री

मया पत्रय पाठ को वा ने २२ स्त्राहा

विष्णु स्त्राहा ॥ ७७ ॥

आकाश विष्णु मवर्ग ६

मां पत्रय विष्णु २२ स्त्राहा

सर्वेभ्यो भूतेभ्यो सर्वेभ्यो विष्णोभ्यो सर्वेभ्यो इष्टदेवतेभ्यो इमां पूजां
विष्णु स्त्राहा ॥ ७७ ॥

विष्णु स्त्राहा ॥ ७७ ॥ नमः श्री नाथाय ॥ नमः सिद्धि नाथाय ॥ नमः
नाथाय नमो नमः ॥ जापः ॥ १० ॥ श्रीं स्त्राहा ॥ १० ॥ श्रीं स्त्राहा ॥ १० ॥

स्त्राहा १० ॥ स्त्राहा १० ॥ स्त्राहा १० ॥ स्त्राहा १० ॥ स्त्राहा १० ॥

आनन्द

1.278

आनन्द शक्ति मेरवा नदी गाय प्रय मुनी श्री पञ्चम मूल स्थान भद्रा
विष्णु स्त्राहा ॥ ७७ ॥

विष्णु स्त्राहा ॥ ७७ ॥

विष्णु स्त्राहा ॥ ७७ ॥

विष्णु स्त्राहा ॥ ७७ ॥

...मिडन...
...का...
...नाम...
...का...
...का...
...का...
...का...
...का...

श्रीमिजानन्दनाथकुलेश्वरीकनकमूर्तेयेनमः॥
वसुदेवे श्रीमानपाठेवर्यानाथात्रिके श्रीमहात्रिपुरसुन्दरीदेवीपरब्रह्मा
त्मशक्तिमर्ष्यामिनमः॥ ततोनिर्वाणेन ध्वजमंत्रगतर्ष्या॥ पुनः जित
तेनायम् ॥ आसनि काय ॥ हृथु येन्या सया यः ॥ **ॐ** सर्वज्ञानाय ह
स्वाय नमः॥ आत्मलीने नमः॥ **ॐ** स्वस्था वा सो भवतु ॥
ॐ तिसंध्या विधि संध्या विधि समाप्तः॥ **ॐ** ततो लिगार्चन पूजा ॥ जिते तेना
यम् ॥ **ॐ** आत्मतत्वा यत्ना ह **ॐ** विद्या तत्वा यत्ना ह **ॐ** शिव तत्वा यत्ना ह
पुनः पूजा ॥ अखण्ड मण्डला कालं वासये न वाचरं ॥ तत्पदं दर्शितं येन

तस्मै श्रीगुरवे नमः श्री श्रीगुरुपादुकेभ्यो नमः ॥ अर्घ्या आत्माय नमः
आत्मत्वाय नमः॥ आत्मसूत्रेये नमः॥ आसः॥ **ॐ** अत्राय फट् ॥ **ॐ** कनि
ष्ठाय नमः॥ **ॐ** अर्क्य अनामि काय स्वाहा ॥ **ॐ** भुक्त्वा लिनी मध्य
माय वौषट् ॥ **ॐ** तर्जनाय ह ॥ **ॐ** अगुष्ट काय वषट् ॥ **ॐ** अत्राय फट्
॥ **ॐ** अः हृदये नमः॥ **ॐ** अर्क्य शिरसि स्वाहा ॥ **ॐ** भुक्त्वा लिनी शि
खाय वौषट् ॥ **ॐ** कवचाय ह ॥ **ॐ** नेत्रत्रयाय वषट् ॥ **ॐ** अत्राय फट्
ॐ अर्घ्या जपः॥ **ॐ** अर्घ्या जपः॥ **ॐ** अर्घ्या आत्माय नमः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । यद्वत्तु कथा तु कथा धनु का हि सा त समुद्र री का
ना हि भासा वाच्ये श्री विष्णु का हि वे सत्र करू दा सि नि वा च्ये वि
शु नि वा ये उर वा च्ये पुन वा च्ये यदि वा च्ये सोम द्या वा च्ये
सुधि जा मि वा च्ये मता का हि का ना नि वा च्ये सम वृ नि दि आ या

म वा धे म ज य त्रि उ ना म वा धे वा वा रे ना म वा धे वा
 वा धे वा धे न वा धे वा त्रि का हा ज्ञा ग्मा का न यि का म व दि
 कि सि ता यि मा य त्रु लु दि नि क्व ति ज्ञा ग्मा ॥ ॥ अ थ र व र्त लो इ
 वा मा यि रा लो मु र ना सा वा ना ना का ना ज्ञा क स द्य नि जि त्र
 ना य जि वा धे मा न वा वू वू दि या कृ त वा रे का य वि न्ध चू चू द य वि
 रि गी ठि वा धे उ वा न चू चू वू ज्ञे मा हा मा हा न म द रि य त्र म द म
 दि सा यि वा ता न मु दि रे वि रे कि रे मा का को प्र कि रे वि रे
 दि का य मा न स त् वा य वि कि न कि उ ना नि क द्वा र्मा मा
 म दि नि च दि का नि ज्ञा ग्मा

ॐ सं हि प्रेता स य पा दु कृत ते सं नो र ॥ ३ ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री स च र्ते च रा न न द ना थ स
म र्ते श्वरी शक्ति स हि ता ये ना दु कां ॥ ३ ॥ ॥ व लि ॥ उग्र च रा ण पू जा ॥ ॐ ५ ति
हा ला य ३ । म हि ला य ३ ॥ शुं भा ला य ३ ॥ नि शुं भा ला य ३ ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री र ज व
र णे ॐ उग्र च रा ण नि शुं म द नी दु र्ग स दार ण २ तां मां तु स मु तु ह रे श्री उग्र व
र णे दे वा ये पा दु कां पू ज मि ॥ त्रि धा ३ ॥ व लि ॥ सि डि ल क्ष्मी पू जा ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री
श्री हं महा प्रे ता ला य ३ ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री हं रं दु प्रे ता ला य ३ ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री हं रं दु प्रे ता
ला य ३ ॥ श्री सि डि ल क्ष्मी दे वा ये पा दु कां पू ज मि त्रि धा ॥ व लि ॥ इ ति सि डि
ल क्ष्मी पू जा ॥ ॥ व ल मं त्रे रा त्रि धा ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री क रा ति नी दु र्ग ह्रीं श्री हं रं दु प्रे ता ला य ३ ॥

ॐ ५ ह्रीं श्री क रा ति दे वा ये पा दु कां पू ज मि ॥ ॥ ह र्द स न वा ला पू ज नं ॥
ॐ ५ ह्रीं श्री महा प्रे ता ला य पा दु कां ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री महा प्रे ता ला य ३ ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री
दा ता न न द ना था य पा दु कां पू ज या मि ॥ त्रि धा ३ ॥ व लि ॥ ॥ प्रे ता ला य ३ ॥
श्री पू जा ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री महा प्रे ता ला य ३ ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री महा प्रे ता ला य ३ ॥
ॐ ५ ह्रीं श्री भ ग व ती श्र म्भ ॐ ५ ह्रीं श्री कृ षि के ल्पां द्वां द्वां व ल मं क
ने अ वो मु खी क्वां क्वां कि लि २ वि ने ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री ॥
ॐ ५ ह्रीं श्री क ल स म र्ते ये श्वा पा दु कां पू ज या मि ॥ त्रि धा ३ ॥
ॐ ५ ह्रीं श्री ह र्द स न वा ला ॥ ॐ ५ ह्रीं श्री क रा ति नी दु र्ग ह्रीं श्री हं रं दु प्रे ता ला य ३ ॥

धृति नादित् नथ नमनयाडा नन दिय मिता हा डिया ॥ ४ ॥
१ धा नना यडात्रि मूसत्रि रिमनाज थूति का सया वा
समरु ग ॥ १ ॥ २ साख नमस ६ नगर मूथा मस ६ स्वायूक
मस ६ नव के सत्र मस ६ नडा डमस ६ नत्रि क्रा नमस ६
नका सया गना ॥ ४ ॥ ॥ वृय सा मयाय स्वयन कुवा नि
नदे वि किन ॥ १ ॥ ॥ सिधु मि तम गच सा मयाय
रुत्रि वि किन हा के डि स्वयज ॥ ॥ नम

नम रमाल देवदंरु कडा क्रा सखा वा या न न मरि डि अ
मासि सा जथा साक सवया सा थर सा वा क न स क
सक वम १ व कन १ सपुति वर क सन मता अया
रे आ यरु ल म १ अक के ला सा म १ ल अ ड म १ गुथि म १ क को ला
के म लि म १ यिय नि म १ सुयणी रं द म १ आरु इ ड म ६ अव न व
या न व ड य न मि सु सु रं ता न वि नि सा ख न अ ॥ क्रा स वि नि

[illegible][illegible]

२४ नमः शिवाय ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

ॐ के हसूर्यस नदभां त्रैलोक्यकारणानां नमो वां वल्लभं ॥ सुहृत्कृतं
मंगला ॥ सिद्धि का मी ज ये श्वरी वाई का जे तुमि मन्त्र का लीये मुद
श्री मंगलां महा का लीं निर्वाण पद राशिनीं ॥ ॥ अंश गायत्री नि म्नां दे
श्री श्री परां भजे ॥ यथा वानप्रहाणं कवचं भवतु वा ॥ ॥ अंश देव वि
द्यानां शो निर्भवतु मे सदा ॥ ॥ पश्चिमे जे जे ॥ ॥ महा माहा श्री कुंज का दे
का ॥ ॥ उग्र वरा डी दे वाः ॥ श्री सिद्धि लक्ष्मी दे वाः ॥ श्री चतुर्गन्तो य श्री गुह्य का
का दे वाः ॥ श्री मित्री सनाथ श्री कुंज श्री कुंज का दे वाः ॥ श्री मिथुन रत्न
री दे वा मन्त्र श्री नित्य कर्म दे वा ईन राजा मि मिर्ता ये न व धा ना श्री
शुभ कलश राशिने भवतु नोदम मन्त्रि ॥ ॥ त्वमिति सर्व भूतानां संस्थिते देवराज दे

॥ नित्यादि ॥ काये न वाचा मनसा च कर्मणा बुद्ध्या मना वा प्र कृत्य भा वा क
हे मिथ्य च कल वस्त्रे श्री गुह्य का ली शो न मन्त्र यामि ॥ अपराध म ह
लि किय ने ह वि री मया दा मो ह मि ति मां न वा क्ष म स प र मे स्वरि ॥ ॥
नेत्र सारणा ना सि त्व मे व श रणी म म ॥ नत्मा का र्ण्य भा वे न र स मां प र मे श्री
॥ ॥ नर्प्य सा ॥ श्री न प्रे ता स न स्था भव भय हर नो भै रवो मंत्र मूर्ति च डि य
म ग स्था प्र ण ति कृ ति कृ ता लो क पा ला फ रि त्रा ॥ र द्रो य द्वा श्व दे वा पि ह
न रा स हि ता मा त रा क्ष त्र पा ला यो गि न्यो यो ग यु क्त जल च र वि च रा पा न मे न
वि व नु ॥ वि व नु दे व ता सर्व र द्रा श्व श सि ना य का ॥ यो गि न्यो क्ष त्र पा ला श्व न म
हे व ॥ व स्थि ता नी श्री ॥ य का ने क भ व ति मूर्ति ज ग तां शो श्व री वा स शी ॥ ॥

